UP Board Solutions Class 6 Agricultural Chapter 8 बाग

अभ्यास

1.नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर के सामने सही (✓) का निशान लगाइए –

i) फलदार वृक्ष होते हैं–

(क) अल्प आयु

(ख) दीर्घायु (✓)

(ग) एक वर्षीय

(घ) द्विवर्षीय

ii) बाग के लिए सबसे उपयुक्त मृदा है-

(क) दोमट (✓)

(ख) बलुई

(ग) काली

(घ) लाल

iii) नर्सरी में पौधे तैयार किए जाते हैं-

(क) बीज से

(ख) तने से

(ग) जड़ से

(घ) उपर्युक्त सभी से (✓)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) शहर के पास की भूमि में **षट्भुजाकार** विधि से पौधे लगाए जाते हैं।

(ख) बाग की सुरक्षा के लिए चारों तरफ **बाड़** लगाई जाती है।

https://www.evidyarthi.in/

(ग) बाग लगाने की सबसे प्रचलित **<u>वर्गाकार</u>** विधि है।

3. दिए गए प्रश्नों में सही कथन के सामने सही (✓) तथा गलत के सामने गलत (×) का निशान लगाइए-

(क) बाग लगाने की कंटूर विधि मैदानी क्षेत्रों में अपनाई जाती है। **(×)**

(ख) बाग लगाने की वर्गाकार विधि सबसे प्रचलित विधि है। **(✓)**

(ग) बाग लगाने की पंचकोणीय विधि को पूरक विधि के नाम से जाना जाता है। **(✓)**

4. निम्नलिखित कथनों में सत्य व असत्य कथन छाँटिए-

(क) पौधशाला में मातृ वृक्ष पूर्णतः स्वस्थ होना चाहिए। **(सत्य)**

(ख) नर्सरी हेतु क्यारियाँ जमीन से नीची होनी चाहिए। **(असत्य)**

(ग) नर्सरी के लिए मृदा बलुई या बलुई दोमट होनी चाहिए। **(सत्य)**

(घ) संवेष्टन क्षेत्र में खादों का रख-रखाव होता है। **(असत्य)**

5. कंटूर विधि द्वारा पौधे किन क्षेत्रों में लगाए जाते हैं?

उत्तर-

पहाड़ी क्षेत्रों में।

6. बाग क्यों लगाते हैं?

उत्तर-

बाग निम्न कारणों से लगाते हैं-

1. फल तथा लकड़ियां प्राप्त करने के लिए।

2. आस-पास की सुन्दरता बढ़ाने के लिए।

3. पर्यावरण का सन्तुलन बनाये रखने के लिए।

7. बाग लगाने की कौन-कौन सी विधियाँ हैं?

उत्तर-

बाग लगाने की निम्न विधियाँ हैं-

a.वर्गाकार विधि

https://www.evidyarthi.in/

b.आयताकार विधि

c. त्रिभुजाकार विधि

d.पंचकोणीय विधि

e.षट्भुजाकार विधि

f.कंटूर विधि

8. बाग लगाने के पहले किन-किन बातों पर ध्यान देना चाहिए?
उत्तर-

बाग लगाने से पहले निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना चाहिए-

1. उस स्थान की मृदा बलुई दोमट, दोमट या चिकनी दोमट हो।

2. सिंचाई और जल निकास की सुविधा हो।

3. चयनित स्थान की जलवायु फल वृक्षों के अनुकूल हो।

4. जानवरों से नुकसान होने की सम्भावना कम हो।

5. फल विपणन की सुविधा हो।

9. पौधंघर (नर्सरी) से आप क्या समझते हैं? इसकी आवश्यकता क्यों होती है?

उत्तर-

पौधे जिस स्थान पर तैयार किए जाते हैं उन्हें हम पौंधघर (नर्सरी) के नाम से जानते हैं। अच्छी किस्म की पौध प्राप्त करने के लिए एक अच्छी नर्सरी की आवश्यकता होती हैं।

10. एक व्यावसायिक पौधशाला में मुख्यतः कौन-कौन से भाग होने चाहिए? वर्णन कीजिए।

उत्तर-

एक व्यावसायिक पौधशाला में मातृ पौधों का क्षेत्र अलग होने के साथ-साथ निम्नलिखित भाग सम्मिलित होने चाहिए-

1. बीज की क्यारियाँ (सीड बेड)
2. रोपण क्यारियाँ गमला क्षेत्र
3. संवेष्टन क्षेत्र (Packing Yard)
4. कार्यालय
5. भण्डार
6. मालीगृह

https://www.evidyarthi.in/

7. खाद के गड्ढे आदि।

11. बाग लगाने की वर्गाकार विधि एवं त्रिभुजाकार विधि का चित्र की सहायता से अन्तर स्पष्ट कीजिए।
उत्तर-

वर्गाकार विधि–

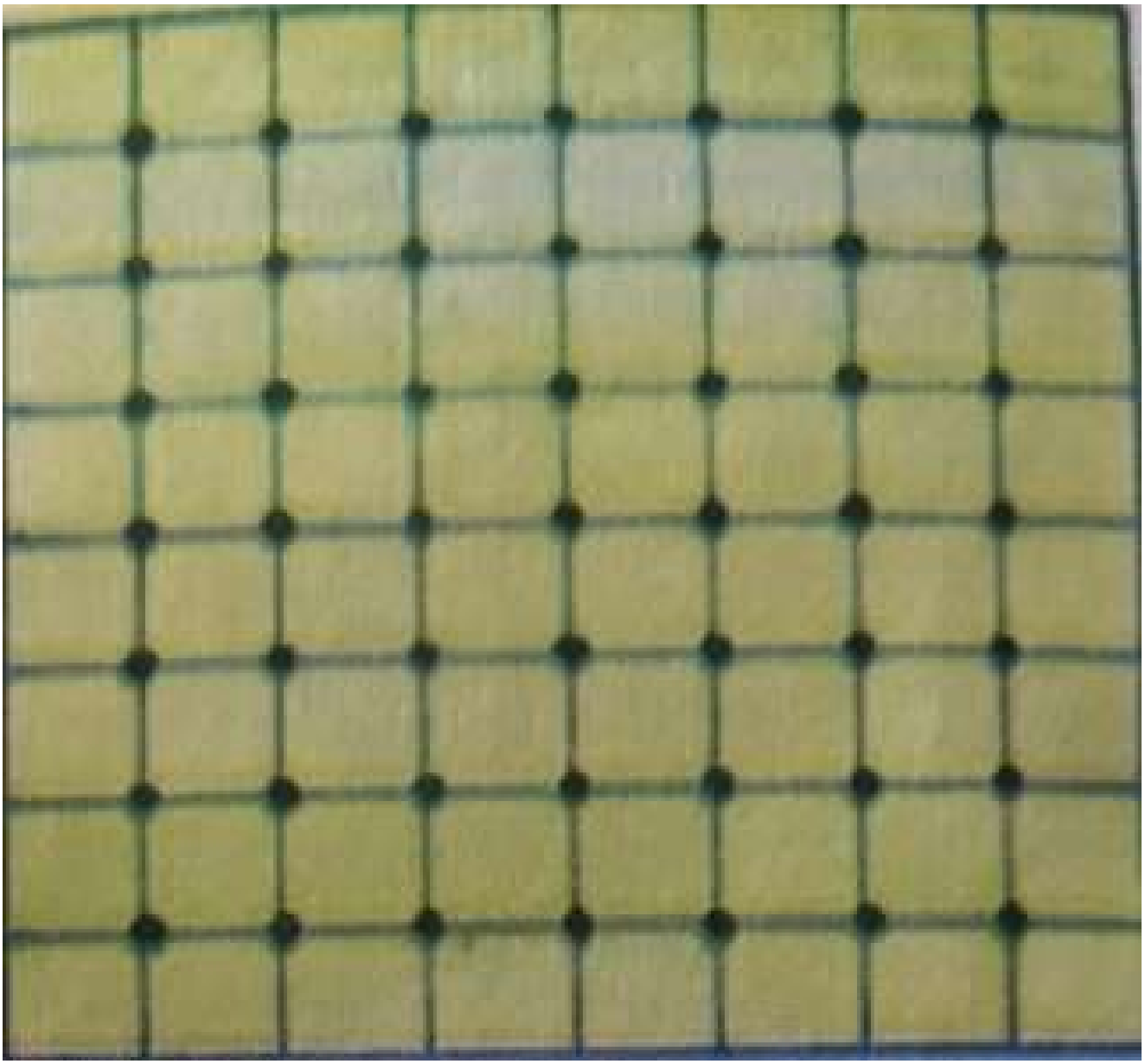

इस विधि में पौधे से पौधे और पंक्ति से पंक्ति की दूरी समान होती है।

त्रिभुजाकार विधि-

इस पद्धति में पंक्ति एवं पौधों की आपसी दूरी वर्गाकार विधि की तरह होती है। लेकिन दूसरी पंक्ति में पौधे पहली पंक्ति के दो पौधों के बीच में लगाये जाते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

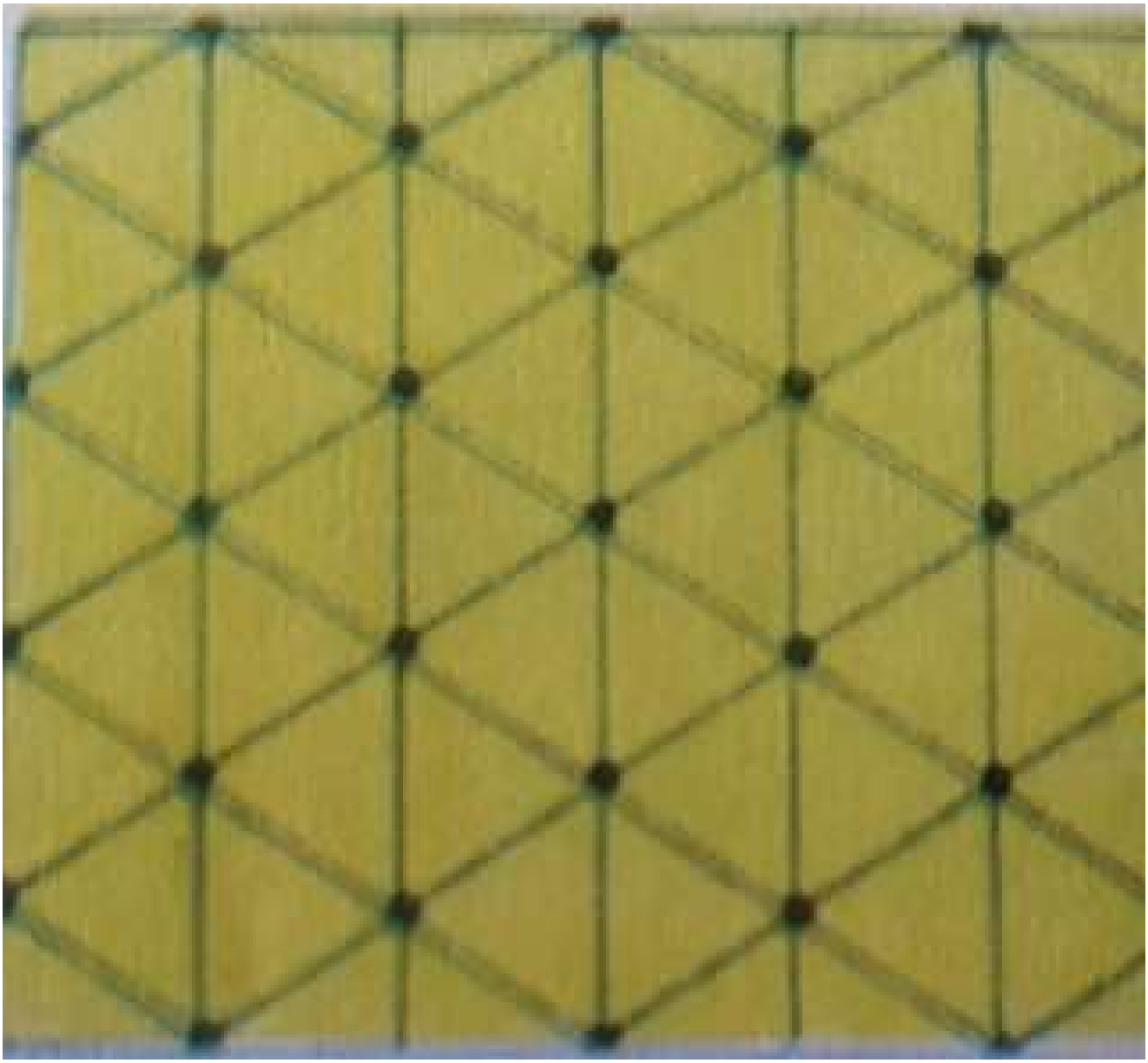

12. पौध खरीदते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

उत्तर-

पौध खरीदते समय निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए-

1. पौध खरीदते समय वांछित प्रजाति की पहचान करके ही पौध खरीदना चाहिए।

2. कलमी पौधे खरीदते समय तने पर कलिकायन अथवा ग्राफ्टिंग का चीरा देखकर ही लेना चाहिए।

3. पौध पूर्ण रूप से स्वस्थ हो।

https://www.evidyarthi.in/